टीबी के लिए यूरिन टेस्ट

नई दिल्ली स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड बायोटेक्नॉलॉजी (आई.सी.जी.ई.बी.) के वैज्ञानिकों ने टीबी का पता लगाने के लिए एक यूरिन टेस्ट सुझाया है।

ऐसा परीक्षण सम्भव हो पाने से बलगम और रक्त के नमूनों की ज़रूरत नहीं रहेगी। आईसीजीईबी टीम ने यूरिन के वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों का परीक्षण कर पाया कि टीबी से पीड़ित व्यक्ति के यूरिन में पांच ऐसे यौगिकों का स्तर एक स्वस्थ व्यक्ति के यूरिन के वाष्पशील यौगिकों की तुलना में काफी अलग होता है। वैज्ञानिकों ने दिखाया कि जिस प्रकार फिंगर प्रिंट्स का उपयोग अलग-अलग व्यक्तियों की पहचान करने में किया जाता है, उसी प्रकार से काफी हद तक वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के अलग-अलग पैटर्न का इस्तेमाल टीबी के मरीज़ों की पहचान में किया जा सकता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, बैंगलूरु में वायरस विज्ञान की प्राध्यापक एम.एस. शैला का कहना है कि यह सामान्य व्यक्तियों और टीबी के मरीज़ों के वाष्पशील यौगिकों में फर्क का गहन और विस्तृत अवलोकन है। वे आगे जोड़ती हैं कि ये अवलोकन टीबी के नियमित परीक्षण के लिए नए और उपयोगी बायोमार्कर्स की सम्भावना दर्शाते हैं। साथ ही इससे उपचार के दौरान रोगी में हो रहे सुधार को भी आंका जा सकता है। उनका कहना है कि अब अलग-अलग शहरों में यूरिन के नमूनों के अधिक गहन परीक्षण की ज़रूरत है ताकि इन परिणामों की पुष्टि हो सके। ***(स्रोत फीचर्स)***